B54
14

खंड—3 संख्या—2

# बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[ भाग—1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर ]

शुक्रवार, तिथि 13 मार्च, 1981 ।

## विषय-सूची

पृष्ठ

विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन की नियमावली के नियम 4 (II) के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तर :

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 9, 3, 4, 5, 6, 7, 8 (पूरक के लिए स्थगित), 9 एवं 10 .... 1-22

अतारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 17, 37, 97, 99 .... 22-25

परिशिष्ट (1) प्रश्नों के लिखित उत्तर ... 26-57

परिशिष्ट (2) (प्रश्नों के लिखित उत्तर) .... 58-120

बैधिक विषय .... 121

टिप्पणी :—किन्हीं भी मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपने भाषण संशोधित नहीं किये ।

योग्य और विवाद रहित भूमि उन्हें दिया जायगा लेकिन ऐसा नहीं कर उन्हें गंगसिकस्त जमीन दी गयी थी।

श्री लहटन चौधरी—क्या सरकार को पता है कि एक धूर भी जमीन इनलोगों के कब्जे में नहीं है।

श्री लहटन चौधरी—यह संभव हो सकता है।

श्री लहटन चौधरी—संभव और असंभव की बात नहीं है क्या सरकार ने उन्हें विपत्र और गंगसिकस्त जमीन देने का फैसला किया था।

उपाध्यक्ष—विवाद मुक्त एवं कृषि योग्य भूमि मिलनी चाहिए थी।

श्री लहटन चौधरी—इसका अनुपालन करने की कोशिश करूँगा।

श्री मुंशी लाल राय—यह सवाल 1949 से चल रहा है। इसलिए मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि कि कबतक देना चाहती है। यह स्वतन्त्रता सेनानी का सवाल है। सरकार किस साल तक देना चाहती है यह स्पष्ट बतावें।

श्री लहटन चौधरी—पहले जो स्थिति कायम हुई थी वह अब नहीं रहा मैं जल्द इस मामले का निष्पादन करवा दूंगा।

श्री मुंशी लाल राय—यह स्वतंत्रता सेनानी को जमीन देने का मामला है इसलिए सरकार स्पष्ट रूपसे बतावे कि कब तक।

श्री लहटन चौधरी—मैं कोशिश करूँगा कि 3 महीने के अन्दर मिल जाय।

श्री राजमंगल मिश्र—यह मामला 1949 से पेंडिंग है। सरकार अंतिम रूप से बतावे कि उन्हें कबतक जमीन दे दी जायगी।

श्री लहटन चौधरी—3 महीने के अन्दर रिपोर्ट मंगवाकर कोशिश करूंगा, जमीन दे दी जाय।

---

सहाकारिता बैंक खोलने के सम्बन्ध में।

2. श्री मुंशी लाल राय—क्या मन्त्री, विभाग, सहकारिता यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर हाजीपुर के लिए एक ही सहकारिता बैंक है फलस्वरूप हाजीपुर क्षेत्र की जनता को असुविधा का सामना करना पड़ता है;

(2) यदि खंड 1 का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार हाजीपुर के लिए एक स्वतंत्र केन्द्रीय सहकारिता बैंक खोलने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

मन्त्री, सहकारिता—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) वैशाली जिला के लिए एक स्वतंत्र केन्द्रीय सहकारिता बैंक की स्थापना हाजीपुर में करने संबंधी आदेश निर्गत किया जा चुका है।

उपाध्यक्ष—इसका लिखित जवाब मिल चुका है, अब आप पूरक पूछें।

श्री मुंशी लाल राय—ये खंड (2) में जवाब दिये हैं कि वैशाली जिला के लिये एक स्वतंत्र केन्द्रीय सहकारिता बैंक की स्थापना हाजीपुर में करने सम्बन्धी आदेश निर्गत किया जा चुका है, तो मैं जानना चाहता हूँ कि जो आदेश निर्गत हुआ है उसका पालन कबतक होगा।

श्री घनश्याम सिंह—आदेश निर्गत हो चुका है। सरकार ने आवश्यक कार्रवाई करने के बाद आदेश निर्गत कर दिया है और एसेट्स ऐन्ड लायबिलटीज के सम्बन्ध में प्रतिक्रिया को जाँच की जा रही है।

श्री मुंशी लाल राय—कब आदेश निर्गत हो चुका है ?

श्री घनश्याम सिंह—निश्चित तिथि मैं बता दूँगा लेकिन सरकार ने निर्णय ले चुका है और इस महीने के अन्त में यह कार्यरत हो जायगा।

श्री महेंद्र नारायण झा—मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि बैंक खोलने का जो निर्णय लिया है उसका आधार क्या है ?

श्री घनश्याम सिंह—सरकार ने निर्णय लिया है कि 31 नये जिले जो थे उनमें से 5 नये जिले में सहकारिता बैंक नहीं थे, इसलिए सरकार ने उन जगहों में बैंक खोलने का निर्णय लिया है।

श्री महेन्द्र नारायण झा—उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि प्रत्येक नये जिले में केन्द्रीय सरकार के बैंक खुले हुए हैं ?

श्री घनश्याम सिंह—जैसा कि मैंने जवाब दिया कि इस महीने के अंत में यहाँ बैंक कार्यरत हो जायगा।

श्री रामाश्रय राय—उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से सरकार से जानना चाहता हूँ कि जिन जिलों में सहकारिता बैंक नहीं है वहाँ कबतक खुल जायगा ?

श्री घनश्याम सिंह—तिथि की सूचना मैं माननीय सदस्य को बाद में दे दूँगा।

डा० रामराज सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्रीजी से जानना चाहता हूँ कि नालन्दा जिला के लिए अलग से कोआपरेटिव बैंक खोला जायगा।

श्री घनश्याम सिंह—यह प्रश्न नहीं उठता है नालन्दा में बैंक है ही।

डा० रामराज सिंह—नालन्दा और पटना को मिलाकर बैंक है लेकिन जब नालन्दा अलग जिला हो गया है तो नालन्दा जिला के लिए अलग से कोआपरेटिव बैंक खोला जायगा ?

श्री घनश्याम सिंह—इसके लिए अलग से प्रश्न चाहिए।

उपाध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है, आप बैठ जायँ।

श्री राजेन्द्र नाथ वर्मा—उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो प्रखंड पहले पुराने जिले में था और अब नये जिले में आ गया है तो उसके लिए बैंक अलग से खोला जायगा ?

( जवाब नहीं )

श्री गणेश प्रसाद यादव—उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न तो सिर्फ हाजीपुर के लिए पूछा गया है, दूसरे जिलों के बारे में सरकार की इस सम्बन्ध में क्या व्यवस्था है ?

(जवाब नहीं मिला)

---

अधूरे बांध को पूरा करना

3. श्री वृषिण पटेल—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा शहर को बागमती की बाढ़ से बचाने हेतु एक बांध का निर्माण कार्य शुरू किया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि महावीर स्थान (गुलोबाड़ा) से पंचानाथ तक बागमती के किनारे बांध का निर्माण नहीं होने के कारण कटाव जोरों पर है;

(3) क्या यह बात सही है कि कटाव से महावीर स्थान के समीप दस मकान बागमती के गर्भ में चले गये;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं; तो क्या सरकार